M.A Sanskrit

(W.E.F. Academic Session 2024-2025 onwards)

Ordinance & Syllabus

(As per NEP 2020)

Department of English

Pandit Deendayal Upadhyaya Shekhawati University

Sikar (Rajasthan) 332024

E-mail: reg.shekhauni@gmail.com

Website: www.shekhauni.ac.in

Final Credit Summary

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

MA in Sanskrit

Yr	Sem	Credits							Total
		DSC	DSE/ P/D	GEC	AEC	SEC	VAC	Seminar / Internship / Dissertation	
First	Pawas	16	4	---	---	---	2	---	22
	Vasant	16	4	---	---	---	2	---	22
Second	Pawas	8	16	---	---	---	2	---	26
	Vasant	4	8	---	---	---	---	8	20
		44	32	---	---	---	6	8	90

Proposed Distribution of Credits for PG Programme				
Courses	SEM I	SEM II	SEM III	SEM IV
Major DSC	DSC1(4) DSC2(4) DSC3(4) DSC4(4)	DSC5(4) DSC6(4) DSC7(4) DSC8(4)	DSC9(4) DSC10(4)	DSC11(4)
DSE	DSE1(4)	DSE2(4)	DSE3(4) DSE4(4) DSE5(4) DSE6(4)	DSE7(4) DSE8(4)
GEC	---	---	---	---
AEC	---	---	---	---
SEC	---	---	---	---
VAC	VAC1(2)	VAC2(2)	VAC3(2)	---
Seminar / Internship / Dissertation	---	---	---	Dissertation(8)
Total	22	22	26	20
	44		46	
	90			

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

Curriculum Structure									
Session 2024-2025 onwards									
Name of the Programme: M.A in Sanskrit									
Year: First						Semester:I (Pawas)			
Pawas Semester I	Course Code	Course Title	Contact Hrs per Week			Credits	Weightage (%)		
			L	T	P		CW$	MTE	ETE
	Discipline Specific Core(DSC):								
	24MSN9T101	वैदिक साहित्य	4	0	0	4	10	20	70
	24MSN9T102	साहित्य	4	0	0	4	10	20	70
	24MSN9T103	भारतीय दर्शन	4	0	0	4	10	20	70
	24MSN9T104	भारतीय काव्यशास्त्र	4	0	0	4	10	20	70
	Discipline Specific Elective(DSE):								
	24MSN9T105	प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा	4	0	0	4	10	20	70
	OR								
	24MSN9T106	गीता दर्शन	4	0	0	4	10	20	70
	OR								
	24MSN9T107	ज्योतिष, हस्तरेखाविज्ञान एवं वास्तुविज्ञान	4	0	0	4	10	20	70
	Value Added Course (VAC): * from central Pool								
			2	0	0	2	10	20	70
	Seminar/Intership/Dissertation (S/I/D):								
	--	--	--	--	--	--	--	--	--
		Total				**22**			

Summary: I Semester		
S.N.	**Particulars**	**Credits**
1.	Discipline Specific Core(DSC):	**16**
2.	Discipline Specific Elective(DSE):	**04**
3.	Value Added Course(VAC):	**02**
4.	Seminar/Intership/Dissertation(S/I/D):	**--**
	Total	**22**
$CW (Classwork): It would include attendance, assignments, class test/ quiz test/assignments, ppt, play, learn by fun activities, etc.		

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

Curriculum Structure									
Session 2024-2025 onwards									
Name of the Programme: M.A in Sanskrit									
Year: First						Semester:II (Vasant)			
Vasant Semester II	Course Code	Course Title	Contact Hrs per Week			Credits	Weightage (%)		
			L	T	P		CW$	MTE	ETE
	Discipline Specific Core(DSC):								
	24MSN9T201	भाषाविज्ञान	4	0	0	4	10	20	70
	24MSN9T202	साहित्य	4	0	0	4	10	20	70
	24MSN9T203	भारतीय दर्शन	4	0	0	4	10	20	70
	24MSN9T204	भारतीय काव्यशास्त्र	4	0	0	4	10	20	70
	Discipline Specific Elective(DSE):								
	24MSN9T205	प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा	4	0	0	4	10	20	70
	OR								
	24MSN9T206	भारतीय दर्शन परंपरा	4	0	0	4	10	20	70
	OR								
	24MSN9T207	रामायण महाभारत एवं पुराण	4	0	0	4	10	20	70
	Value Added Course (VAC): * from central Pool								
			2	0	0	2	10	20	70
	Seminar/Intership/Dissertation (S/I/D):								
	--	--	--	--	--	--	--	--	--
		Total				**22**			

Summary: II Semester		
S.N.	**Particulars**	**Credits**
1.	Discipline Specific Core(DSC):	**16**
2.	Discipline Specific Elective(DSE):	**04**
3.	Value Added Course(VAC):	**02**
4.	Seminar/Intership/Dissertation(S/I/D):	**--**
	Total	**22**
$CW (Class work): It would include attendance, assignments, class test/ quiz test/ assignements, ppt, play, learn by fun activities etc.		

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

M.A.-Sanskrit
Semester-I

वैदिक साहित्य
24MSN9T101

Credit-4 L T P
4 0 0

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर
स्नातकोत्तर संस्कृत पाठयक्रम प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र (वैदिक साहित्य)

सामान्य निर्देश

- प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा एवं 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।
- प्रश्नपत्र का निर्माण हिंदी माध्यम से किया जायेगा किन्तु संस्कृत माध्यम हेतु निर्धारित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत माध्यम से देना अनिवार्य होगा।
- पाठयक्रम कुल चार इकाइयों में विभाजित होगा। प्रश्नपत्र के भाग–अ में प्रत्येक इकाई से 1–1 अंक के 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे,भाग–ब में प्रत्येक इकाई से 5–5 अंकों के 4 लघुवर्णनात्मक प्रश्न/व्याख्या आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे एवं भाग–स में प्रत्येक इकाई से 10–10 अंकों के 4 वर्णनात्मकप्रश्न/व्याख्या आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे।

अधिगम उद्देश्य

- वैदिक साहित्य के प्रति अभिरुचि निर्माण।
- वैदिक देवतावाद एवं यज्ञवाद का परिचय।
- वैदिक संस्कृत व्याकरण का अवबोध एवं अनुप्रयोग।

अधिगम परिणाम

- भारतीय यज्ञ परंपरा एवं यज्ञों के महत्व व अनुप्रयोग का ज्ञान।
- भाषा शिक्षण।

पाठ्यक्रम

- प्रथम इकाई –अग्नि सूक्त (१.१), इंद्र सूक्त (२. १ २),वरुण सूक्त १,२५),हिरण्यगर्भ सूक्त (१. १२१)
- द्वितीय इकाई –पुरुष सूक्त (१०. १०),नासदीय सूक्त (१०. १२९), वाक् सूक्त (१०.१२५) ,संज्ञान सूक्त (१०. १९१)
- तृतीय इकाई –शिवसंकल्पसूक्त एवं पृथ्वी सूक्त
- चतुर्थ इकाई –यास्ककृत निरुक्त (परिचय एवं प्रथम अध्याय)

सहायक पुस्तकें

- वैदिक सूक्त संग्रह– डॉ. देवेंद्र नाथ पांडे जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।
- निरुक्तम् –(अनुवादक संपादक) डॉ. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखंबा विद्या भवन वाराणसी।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

M.A.-Sanskrit
Semester-I

साहित्य
24MSN9T102

Credit-4 L T P
4 0 0

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर
स्नातकोत्तर संस्कृत पाठयक्रम प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र (साहित्य)

सामान्य निर्देश

- प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा एवं 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।
- प्रश्नपत्र का निर्माण हिंदी माध्यम से किया जायेगा किन्तु संस्कृत माध्यम हेतु निर्धारित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत माध्यम से देना अनिवार्य होगा।
- पाठयक्रम कुल चार इकाइयों में विभाजित होगा। प्रश्नपत्र के भाग–अ में प्रत्येक इकाई से 1–1 अंक के 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे,भाग–ब में प्रत्येक इकाई से 5–5 अंकों के 4 लघुवर्णनात्मक प्रश्न/व्याख्या आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे एवं भाग–स में प्रत्येक इकाई से 10–10 अंकों के 4 वर्णनात्मकप्रश्न/व्याख्या आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे।

अधिगम उद्देश्य

- संस्कृत पद्य एवं नाटकों के प्रति अभिरुचि।
- संस्कृत काव्यों का अवबोध एवं अभिज्ञान।
- काव्य के माध्यम से आचरण ज्ञान।

अधिगम परिणाम

- नैतिक आचरण का अवबोध व अनुप्रयोग।
- संस्कृत काव्यों की शैली का ज्ञान।
- रसनिष्पत्ति।
- व्यवहार ज्ञान।

पाठ्यक्रम

- इकाई प्रथम – मेघदूत (पूर्वमेघ)
- इकाई द्वितीय – मेघदूत (उत्तरमेघ)
- इकाई तृतीय – मृच्छकटिक (१,२,३,४ प्रकरण)
- इकाई चतुर्थ – मृच्छकटिक (५,६,७ प्रकरण)

सहायक पुस्तकें

- मेघदूत– डॉ.अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।
- मृच्छकटिकम् – डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भंडार।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

M.A.-Sanskrit
Semester-I

भारतीय दर्शन
24MSN9T103

Credit-4 L T P
4 0 0

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर
स्नातकोत्तर संस्कृत पाठयक्रम प्रथम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्नपत्र (भारतीय दर्शन)

सामान्य निर्देश

- प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा एवं 30 अंकों का आतंरिक मूल्यांकन होगा।
- प्रश्नपत्र का निर्माण हिंदी माध्यम से किया जायेगा किन्तु संस्कृत माध्यम हेतु निर्धारित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत माध्यम से देना अनिवार्य होगा।
- पाठयक्रम कुल चार इकाइयों में विभाजित होगा। प्रश्नपत्र के भाग–अ में प्रत्येक इकाई से 1–1 अंक के 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, भाग–ब में प्रत्येक इकाई से 5–5 अंकों के 4 लघुवर्णनात्मक प्रश्न/व्याख्या आतंरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे एवं भाग–स में प्रत्येक इकाई से 10–10 अंकों के 4 वर्णनात्मक/व्याख्या प्रश्न आतंरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे।

अधिगम उद्देश्य

- आध्यात्मिक एवं दार्शनिक अवबोध।
- भारतीय दर्शन परंपरा का ज्ञान।

अधिगम परिणाम

- नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का विकास।
- भारतीय दर्शन की वैज्ञानिकता एवं तार्किकता का परिचय।

पाठ्यक्रम

- इकाई प्रथम – सांख्यकारिका (१से ३६ कारिका)
- इकाई द्वितीय – सांख्यकारिका (३६से ७२ कारिका)
- इकाई तृतीय – तर्कभाषा (प्रमाणप्रमेयसूत्र से प्रत्यक्ष प्रमाण तक)
- इकाई चतुर्थ – तर्कभाषा (अनुमान प्रमाण से मीमांसामतखंडन तक)

सहायक पुस्तकें

सांख्यकारिका– देवेंद्र नाथ पांडे, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।

तर्कभाषा– डॉ. अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

M.A.-Sanskrit
Semester-I

भारतीय काव्यशास्त्र
24MSN9T104

Credit-4 L T P
4 0 0

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर
स्नातकोत्तर संस्कृत पाठयक्रम प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न–पत्र (भारतीय काव्यशास्त्र)

सामान्य निर्देश

- प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा एवं 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।
- प्रश्नपत्र का निर्माण हिंदी माध्यम से किया जायेगा किन्तु संस्कृत माध्यम हेतु निर्धारित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत माध्यम से देना अनिवार्य होगा।
- पाठयक्रम कुल चार इकाइयों में विभाजित होगा। प्रश्नपत्र के भाग–अ में प्रत्येक इकाई से 1–1 अंक के 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे,भाग–ब में प्रत्येक इकाई से 5–5 अंकों के 4 लघुवर्णनात्मक प्रश्न/व्याख्या आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे एवं भाग–स में प्रत्येक इकाई से 10–10 अंकों के 4 वर्णनात्मकप्रश्न/व्याख्या आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे।

अधिगम उद्देश्य

- भारतीय काव्य एवं नाटय शास्त्र का ज्ञान।
- काव्य के बाह्य एवं आंतरिक तत्वों का ज्ञान।

अधिगम परिणाम

- काव्यावयवों का अवबोध एवं अनुप्रयोग।
- रस एवं अलंकार विषयक ज्ञान व अनुप्रयोग।

पाठ्यक्रम

- इकाई प्रथम – साहित्यदर्पण (प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद)
- इकाई द्वितीय – नाट्यशास्त्र (प्रथम अध्याय)
- इकाई तृतीय – नाट्यशास्त्र (षष्ठ अध्याय)
- इकाई चतुर्थ – भामह का काव्यालंकार (प्रथम परिच्छेद)

सहायक पुस्तकें

- साहित्यदर्पण –डॉ निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भंडार, मेरठ।
- साहित्यदर्पण –डॉ सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
- नाट्यशास्त्र –डॉ पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक भंडार, आगरा।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

- नाट्यशास्त्र –प्रो ब्रजमोहन चतुर्वेदी।
- काव्यालंकार–डॉ रामानंद शर्मा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।
- काव्यालंकार (प्रथम परिच्छेद)– जगन्नारायण पांडेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर।

M.A.-Sanskrit
Semester-I

प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा — Credit-4 L T P
24MSN9T105 — 4 0 0

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर
स्नातकोत्तर संस्कृत पाठयक्रम प्रथम सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र (प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा)

सामान्य निर्देश

- प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा एवं 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।
- प्रश्नपत्र का निर्माण हिंदी माध्यम से किया जायेगा किन्तु संस्कृत माध्यम हेतु निर्धारित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत माध्यम से देना अनिवार्य होगा।
- पाठयक्रम कुल चार इकाइयों में विभाजित होगा। प्रश्नपत्र के भाग–अ में प्रत्येक इकाई से 1–1 अंक के 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे,भाग–ब में प्रत्येक इकाई से 5–5 अंकों के 4 लघुवर्णनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे एवं भाग–स में प्रत्येक इकाई से 10–10 अंकों के 4 वर्णनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे।

अधिगम उद्देश्य

- भारत के समृद्ध अतीत का ज्ञान।
- संस्कृत का अंतःअनुशासनात्मक अध्ययन।

अधिगम परिणाम

- संस्कृत में निहित चिकित्सा, गणित, राजनीति एवं विधिशास्त्र का अवबोध एवं अनुप्रयोग।

पाठ्यक्रम

- इकाई प्रथम – प्राचीन भारतीय आयुर्विज्ञान (चरक, सुश्रुत, एवं वाग्भट्ट)
- इकाई द्वितीय – प्राचीन भारतीय गणित एवं खगोलविज्ञान (आर्यभट्ट एवं वराहमिहिर)
- इकाई तृतीय – प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन (मनु, कौटिल्य एवं शुक्र)
- इकाई चतुर्थ – प्राचीन भारतीय विधिशास्त्र (मनुस्मृति, याज्ञवल्क्यस्मृति)

सहायक पुस्तकें

- आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास –आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा ओरियन्टालिया, वाराणसी।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

- चरकसंहिता–डॉ. ब्रह्मानंद त्रिपाठी।
- सुश्रुतसंहिता –डॉ. केवल कृष्ण ठकराल, चौखम्बा ओरियन्टालिया, वाराणसी।
- अष्टांगहृदय –डॉ. ब्रह्मानंद त्रिपाठी।
- प्राचीन भारत में ज्योतिष एवं खगोलविज्ञान का विकास –डॉ अलकनंदा शर्मा।
- भारतीय राजनीतिक विचारक– डॉ. पुखराज जैन, साहित्य भवन पब्लिकेशन।
- मनुस्मृति –तुलसी राम स्वामी।
- याज्ञवल्क्यस्मृति –उमेशचंद्र पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।

M.A.-Sanskrit
Semester-I

गीता दर्शन — Credit-4 L T P
24MSN9T106 — 4 0 0

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर
स्नातकोत्तर संस्कृत पाठयक्रम प्रथम सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र (गीता दर्शन)

सामान्य निर्देश

- प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा एवं 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।
- प्रश्नपत्र का निर्माण हिंदी माध्यम से किया जायेगा किन्तु संस्कृत माध्यम हेतु निर्धारित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत माध्यम से देना अनिवार्य होगा।
- पाठयक्रम कुल चार इकाइयों में विभाजित होगा। प्रश्नपत्र के भाग–अ में प्रत्येक इकाई से 1–1 अंक के 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे,भाग–ब में प्रत्येक इकाई से 5–5 अंकों के 4 लघुवर्णनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे एवं भाग–स में प्रत्येक इकाई से 10–10 अंकों के 4 वर्णनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे।

अधिगम उद्देश्य

- गीता के वैश्विक महत्व एवं प्रासंगिकता का अवबोध।
- दैनिक जीवन में कर्म की महत्ता का प्रतिपादन।
- आध्यात्मिक मूल्यों का विकास।

अधिगम परिणाम

- गीता में निहित विषयवस्तु का अवबोध एवं अवगाहन।
- कर्म, ज्ञान एवं भक्ति का अवबोध।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

पाठ्यक्रम

- इकाई प्रथम – गीता का परिचय,उद्भव एवं सिद्धांत
- इकाई द्वितीय – देह ,आत्मा, प्रकृति एवं पुरुष
- इकाई तृतीय – कर्मयोग ,ज्ञानयोग एवं भक्तियोग
- इकाई चतुर्थ – देवासुरसम्पदा प्रकरण

M.A.-Sanskrit
Semester-I

ज्योतिष, हस्तरेखाविज्ञान एवं वास्तुविज्ञान — Credit-4 L T P
24MSN9T107 — 4 0 0

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर
स्नातकोत्तर संस्कृत पाठयक्रम प्रथम सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र (ज्योतिष, हस्तरेखाविज्ञान एवं वास्तुविज्ञान)

सामान्य निर्देश

- प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा एवं 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।
- प्रश्नपत्र का निर्माण हिंदी माध्यम से किया जायेगा किन्तु संस्कृत माध्यम हेतु निर्धारित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत माध्यम से देना अनिवार्य होगा।
- पाठयक्रम कुल चार इकाइयों में विभाजित होगा। प्रश्नपत्र के भाग–अ में प्रत्येक इकाई से 1–1 अंक के 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे,भाग–ब में प्रत्येक इकाई से 5–5 अंकों के 4 लघुवर्णनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे एवं भाग–स में प्रत्येक इकाई से 10–10 अंकों के 4 वर्णनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे।

अधिगम उद्देश्य

- भारतीय ज्योतिष व पंचांग परिचय।
- हस्तरेखा व वास्तु ज्ञान।

अधिगम परिणाम

- पंचांग निपुणता।
- भवन आदि के निर्माण विषयक वास्तु का ज्ञान।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

पाठ्यक्रम

- इकाई प्रथम – पंचांग परिचय
- इकाई द्वितीय – फलित ज्योतिष
- इकाई तृतीय – हस्तरेखाविज्ञान
- इकाई चतुर्थ – वास्तुविज्ञान

सहायक पुस्तकें

- हस्तरेखाविज्ञान – गोपेश कुमार ओझा, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
- फलित प्रबोधिनी – विनोद शास्त्री।
- वास्तु शास्त्र सरल एवं व्यावहारिक ज्ञान डॉ. शालिनी कृष्णा खरे

M.A.-Sanskrit
Semester-II

भाषाविज्ञान
24MSN9T201

Credit-4 L T P
4 0 0

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर
स्नातकोत्तर संस्कृत पाठयक्रम द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र (भाषाविज्ञान)

सामान्य निर्देश

- प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा एवं 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।
- प्रश्नपत्र का निर्माण हिंदी माध्यम से किया जायेगा किन्तु संस्कृत माध्यम हेतु निर्धारित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत माध्यम से देना अनिवार्य होगा।
- पाठयक्रम कुल चार इकाइयों में विभाजित होगा। प्रश्नपत्र के भाग–अ में प्रत्येक इकाई से 1–1 अंक के 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे,भाग–ब में प्रत्येक इकाई से 5–5 अंकों के 4 लघुवर्णनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे एवं भाग–स में प्रत्येक इकाई से 10–10 अंकों के 4 वर्णनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे।

अधिगम उद्देश्य

- भारोपीय भाषा परिवार में संस्कृत के स्थान का महत्वनिरूपण।
- शब्द, अर्थ, ध्वनि इत्यादि भाषावयवों का सूक्ष्म अध्ययन।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

अधिगम परिणाम

- भाषा विज्ञान में संस्कृत के सर्वाधिक महत्व का ज्ञान।
- विविध भाषाओं का तुलनात्मक ज्ञान।

पाठ्यक्रम

- इकाई प्रथम – भाषा की परिभाषा, स्वरुप, उत्पत्ति, विकास, विस्तार एवं वर्गीकरण।
- इकाई द्वितीय – ध्वनि, ध्वनियों का वर्गीकरण,स्थान–प्रयत्न, ध्वनि परिवर्तन एवं ध्वनि नियम।
- इकाई तृतीय – अर्थ, अर्थ–परिवर्तन की दिशाएं एवं कारण, भाषा परिवार व भारोपीय भाषा परिवार।
- इकाई चतुर्थ – वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत,ईरानी, पाली, प्राकृत आदि भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन।

सहायक पुस्तकें

- तुलनात्मक भाषाशास्त्र – डॉ. मंगलदेव शास्त्री।
- भाषाविज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहबाद।
- भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र –डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

M.A.-Sanskrit
Semester-II

साहित्य
24MSN9T202

Credit-4 L T P
4 0 0

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर
स्नातकोत्तर संस्कृत पाठयक्रम द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र (साहित्य)

सामान्य निर्देश

- प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा एवं 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।
- प्रश्नपत्र का निर्माण हिंदी माध्यम से किया जायेगा किन्तु संस्कृत माध्यम हेतु निर्धारित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत माध्यम से देना अनिवार्य होगा।
- पाठयक्रम कुल चार इकाइयों में विभाजित होगा। प्रश्नपत्र के भाग–अ में प्रत्येक इकाई से 1–1 अंक के 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे,भाग–ब में प्रत्येक इकाई से 5–5 अंकों के 4 लघुवर्णनात्मक प्रश्न/व्याख्या आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे एवं भाग–स में प्रत्येक इकाई से 10–10 अंकों के 4 वर्णनात्मकप्रश्न/व्याख्या आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

अधिगम उद्देश्य

- काव्यों द्वारा नैतिक मूल्यों का विकास।
- संस्कृत महाकाव्यों के कथानक द्वारा ऐतिहासिक व सांस्कृतिक समृद्धि।

अधिगम परिणाम

- दैनिक जीवन में नैतिक मूल्यों का अनुप्रयोग।
- नूतन शब्दों एवं छंद–अलंकार विषयक ज्ञान में अभिवृद्धि।

पाठ्यक्रम

- इकाई प्रथम -- शिशुपालवध (प्रथम सर्ग)
- इकाई द्वितीय – बुद्धचरित (तृतीय सर्ग)
- इकाई तृतीय – कुमारसम्भव (पंचम सर्ग)
- इकाई चतुर्थ – नैषधीयचरित (प्रथम सर्ग)

सहायक पुस्तकें

- बुद्धचरित –डॉ रमा दुबलिश, साहित्यभण्डार, मेरठ।
- बुद्धचरित –महंत श्री रामचंद्रदास शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- कुमारसम्भव –श्री प्रद्युम्न पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- कुमारसम्भव –सुरेन्द्रदेव शास्त्री, साहित्यभण्डार, मेरठ।
- शिशुपालवध –डॉ देवनारायण मिश्र, साहित्यभण्डार, मेरठ।
- शिशुपालवध –हरगोबिंद शास्त्री, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- नैषधीयचरित – आचार्य शेषराज रेग्मी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
- नैषधीयचरित –डॉ देवनारायण मिश्र, साहित्यभण्डार, मेरठ।

M.A.-Sanskrit
Semester-II

भारतीय दर्शन
24MSN9T203

Credit-4 L T P
4 0 0

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर
स्नातकोत्तर संस्कृत पाठयक्रम द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्नपत्र (भारतीय दर्शन)

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

सामान्य निर्देश

- प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा एवं 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।
- प्रश्नपत्र का निर्माण हिंदी माध्यम से किया जायेगा किन्तु संस्कृत माध्यम हेतु निर्धारित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत माध्यम से देना अनिवार्य होगा।
- पाठयक्रम कुल चार इकाइयों में विभाजित होगा। प्रश्नपत्र के भाग–अ में प्रत्येक इकाई से 1–1 अंक के 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे,भाग–ब में प्रत्येक इकाई से 5–5 अंकों के 4 लघुवर्णनात्मक प्रश्न/व्याख्या आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे एवं भाग–स में प्रत्येक इकाई से 10–10 अंकों के 4 वर्णनात्मकप्रश्न/व्याख्या आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे।

अधिगम उद्देश्य

- आध्यात्मिक एवं दार्शनिक अवबोध।
- भारतीय दर्शन परंपरा का ज्ञान।

अधिगम परिणाम

- नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का विकास।
- भारतीय दर्शन की वैज्ञानिकता एवं तार्किकता का परिचय।
- योग के महत्व एवं अनुप्रयोग का ज्ञान।

पाठ्यक्रम

- इकाई प्रथम – वेदांतसार (अनुबंध चतुष्टय से अज्ञान तक)
- इकाई द्वितीय – वेदांतसार (सूक्ष्म शरीर से महावाक्यों तक)
- इकाई तृतीय – योगसूत्र (समाधिपाद एवं साधनापाद)
- इकाई चतुर्थ – योगसूत्र (विभूतिपाद एवं कैवल्यपाद)

सहायक पुस्तकें

- योगदर्शन– गीता प्रेस गोरखपुर।
- वेदांतसार– डॉ. कृष्णकांत त्रिपाठी, साहित्य भंडार, मेरठ।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

M.A.-Sanskrit
Semester-II

भारतीय काव्यशास्त्र
24MSN9T204

Credit-4 L T P
4 0 0

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर
स्नातकोत्तर संस्कृत पाठयक्रम द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्नपत्र (भारतीय काव्यशास्त्र)

सामान्य निर्देश

- प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा एवं 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।
- प्रश्नपत्र का निर्माण हिंदी माध्यम से किया जायेगा किन्तु संस्कृत माध्यम हेतु निर्धारित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत माध्यम से देना अनिवार्य होगा।
- पाठयक्रम कुल चार इकाइयों में विभाजित होगा। प्रश्नपत्र के भाग–अ में प्रत्येक इकाई से 1–1 अंक के 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे,भाग–ब में प्रत्येक इकाई से 5–5 अंकों के 4 लघुवर्णनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे एवं भाग–स में प्रत्येक इकाई से 10–10 अंकों के 4 वर्णनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे।

अधिगम उद्देश्य

- भारतीय काव्य एवं नाटय शास्त्र का ज्ञान।
- काव्य के बाह्य एवं आंतरिक तत्वों का ज्ञान।

अधिगम परिणाम

- काव्यावयवों का अवबोध एवं अनुप्रयोग।
- रस एवं अलंकार विषयक ज्ञान व अनुप्रयोग।

पाठ्यक्रम

- इकाई प्रथम – अलंकारशास्त्र का इतिहास (भरतमुनि, भामह, रुद्रट,उद्भट्ट, दण्डी, मम्मट एवं आनंदवर्धन)
- इकाई द्वितीय – अलंकारशास्त्र का इतिहास (विश्वनाथ, जगन्नाथ,वामन, कुंतक,क्षेमेन्द्र, एवं राजशेखर)
- इकाई तृतीय – अलंकार–सम्प्रदाय ,रस–सम्प्रदाय एवं ध्वनि–सम्प्रदाय।
- इकाई चतुर्थ – रीति सम्प्रदाय एवं औचित्य सम्प्रदाय।

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

M.A.-Sanskrit
Semester-II

प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा
24MSN9T205

Credit-4 L T P
4 0 0

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर
स्नातकोत्तर संस्कृत पाठयक्रम द्वितीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र (प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा)

सामान्य निर्देश

- प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा एवं 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।
- प्रश्नपत्र का निर्माण हिंदी माध्यम से किया जायेगा किन्तु संस्कृत माध्यम हेतु निर्धारित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत माध्यम से देना अनिवार्य होगा।
- पाठयक्रम कुल चार इकाइयों में विभाजित होगा। प्रश्नपत्र के भाग–अ में प्रत्येक इकाई से 1–1 अंक के 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे,भाग–ब में प्रत्येक इकाई से 5–5 अंकों के 4 लघुवर्णनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे एवं भाग–स में प्रत्येक इकाई से 10–10 अंकों के 4 वर्णनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे।

अधिगम उद्देश्य

- भारत के समृद्ध अतीत का ज्ञान।
- संस्कृत का अंतःअनुशासनात्मक अध्ययन।

अधिगम परिणाम

- संस्कृत में निहित प्रकृति, पर्यावरण, मानवकल्याण, यज्ञपरंपरा इत्यादि का ज्ञान।
- भारत की समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का अवबोध।

पाठ्यक्रम

- इकाई प्रथम – सिंधु सभ्यता, वैदिक सभ्यता, उत्तरवैदिक सभ्यता।
- इकाई द्वितीय – प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति एवं शिक्षण संस्थान।
- इकाई तृतीय – यज्ञ, वर्णाश्रम–व्यवस्था एवं षोडश–संस्कार।
- इकाई चतुर्थ – वेदों में प्रकृति, पर्यावरण, मानवकल्याण एवं विश्वबंधुत्व)

सहायक पुस्तकें

- प्राचीन भारत का इतिहास– शर्मा व व्यास
- भारतीय संस्कृति के तत्व– किरण टंडन
- भारतीय राजनीतिक विचारक– डॉ.पुखराज जैन, साहित्य भवन पब्लिकेशन।
- मनुस्मृति– तुलसीराम स्वामी।
- याज्ञवल्क्यस्मृति– उमेशचंद्र पांडे, चौखंबा संस्कृत सीरीज वाराणसी

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

M.A.-Sanskrit
Semester-II

भारतीय दर्शन परंपरा
24MSN9T206

Credit-4 L T P
4 0 0

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर
स्नातकोत्तर संस्कृत पाठयक्रम द्वितीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र (भारतीय दर्शन परम्परा)

सामान्य निर्देश

- प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा एवं 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।
- प्रश्नपत्र का निर्माण हिंदी माध्यम से किया जायेगा किन्तु संस्कृत माध्यम हेतु निर्धारित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत माध्यम से देना अनिवार्य होगा।
- पाठयक्रम कुल चार इकाइयों में विभाजित होगा। प्रश्नपत्र के भाग–अ में प्रत्येक इकाई से 1–1 अंक के 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे,भाग–ब में प्रत्येक इकाई से 5–5 अंकों के 4 लघुवर्णनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे एवं भाग–स में प्रत्येक इकाई से 10–10 अंकों के 4 वर्णनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे।

अधिगम उद्देश्य

- आध्यात्मिक एवं दार्शनिक अवबोध।
- भारतीय दर्शन परंपरा का ज्ञान।
- प्रमुख आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन के सिद्धांतों का परिचय।

अधिगम परिणाम

- नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का विकास।
- भारतीय दर्शन की वैज्ञानिकता एवं तार्किकता का परिचय।
- योग के महत्व एवं अनुप्रयोग का ज्ञान।

पाठ्यक्रम

- इकाई प्रथम – सांख्य एवं योग दर्शन।
- इकाई द्वितीय – मीमांसा एवं वेदांत दर्शन।
- इकाई तृतीय – न्याय एवं वैशेषिक दर्शन।
- इकाई चतुर्थ – जैन, बौद्ध एवं चार्वाक दर्शन।

सहायक पुस्तकें

- सांख्यकारिका– देवेंद्र नाथ पांडे, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।
- तर्कभाषा– डॉ. अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय जयपुर।
- योगदर्शन– गीता प्रेस गोरखपुर।
- वेदांतसार– डॉ. कृष्णकांत त्रिपाठी, साहित्य भंडार मेरठ।
- भारतीय दर्शन की रूपरेखा – प्रोफेसर हरेंद्र प्रसाद सिन्हा

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)

M.A.-Sanskrit
Semester-II

रामायण महाभारत एवं पुराण
24MSN9T207

Credit-4 L T P
4 0 0

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर
स्नातकोत्तर संस्कृत पाठयक्रम द्वितीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र (रामायण, महाभारत एवं पुराण)

सामान्य निर्देश

- प्रश्नपत्र कुल 100 अंकों का होगा जिसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा एवं 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।
- प्रश्नपत्र का निर्माण हिंदी माध्यम से किया जायेगा किन्तु संस्कृत माध्यम हेतु निर्धारित प्रश्नों का उत्तर संस्कृत माध्यम से देना अनिवार्य होगा।
- पाठयक्रम कुल चार इकाइयों में विभाजित होगा। प्रश्नपत्र के भाग–अ में प्रत्येक इकाई से 1–1 अंक के 10 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे,भाग–ब में प्रत्येक इकाई से 5–5 अंकों के 4 लघुवर्णनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे एवं भाग–स में प्रत्येक इकाई से 10–10 अंकों के 4 वर्णनात्मक प्रश्न आन्तरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे।

अधिगम उद्देश्य

- रामायण एवं महाभारत के महत्व का ज्ञान।
- पौराणिक विषयवस्तु का ज्ञान।

अधिगम परिणाम

- आदि काव्यों द्वारा दैनिक जीवन में मूल्यों का आधान।
- पौराणिक सृष्टिक्रम एवं आख्यानों का ज्ञान।

पाठ्यक्रम

- इकाई प्रथम – रामायण (सामान्य अध्ययन, उपजीव्यता, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक महत्व)
- इकाई द्वितीय –महाभारत (सामान्य अध्ययन, उपजीव्यता, आख्यान, साहित्यिक एवं ऐतिहासिक महत्व)
- इकाई तृतीय – पुराण (परिचय, कालक्रम, विषयवस्तु, आख्यान, सृष्टिविज्ञान एवं महत्व)
- इकाई चतुर्थ – 18 पुराणों का सामान्य अध्ययन।

सहायक पुस्तकें

- संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास – राधावल्लभ त्रिपाठी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास डॉ. कपिल देव द्विवेदी
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – उमाशंकर शर्मा ऋषि
- संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय

Dy. Registrar
Pandit Deendayal Upadhyaya
Shekhawati University,
Sikar(Rajasthan)